

सखि-आ- गये श्याम
हमारे अँगना

सारी रैन सगुन में काटी
भोर भये खनके कँगना SSS

सखि- आ गये-----

भई रंग श्याम सी हाथन में हदी
श्यामल धन गरजे अँगना SSS

सखि- आ गये-----

बाजू के बंद खुल खुल जायें
आ गये आज मेरे सजना SSS

सखि- आ गये-----

धक् धक् जियरा धरकन लागो
मन डोले जैसे बिजना SSS

सखि-आ गये-----

सुन ओ "श्री बाबा श्री" अब बोले पपीहा
निर्दयी- श्याम- न- अब तजना SSS

सखि-आ गये-----